VIII - Hindi lang 16..12.24

Tender Heart High School, Sec.33-B, CHD. Pg 1 B+

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (पुनरावृत्ति अनौपचारिक - पत्र)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण-8

सुप्रभात् प्यारे बच्चो!

आज आपको 'पत्र-लेखन' के विषय में मैं समझाने जा रही हूँ। वैसे तो आप अपनी पिछली कक्षाओं में भी पत्र-लेखन के विषय में पढ़ते आ रहे हैं और पिछले सत्र में भी आपने औपचारिक और अनौपचारिक-पत्रों के लेखन के विषय में पढ़ चुके हैं।

सब अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका खोल कर रखें। आजकल बच्चो, हमारे पास बातचीत करने तथा हाल-चाल जानने के अनेक आधुनिक साधन हैं। पत्र या चिट्ठी किसी भी नाम से जाना जाने वाला यह शब्द न सिर्फ़ हमें अपनों से जोड़ता है अपितु हमारे कई कार्यों को सिद्ध करने का साधन भी है। संचार के विकास के साधनों के साथ और भी कई साधन अपने भावों को व्यक्त करने के लिए सामने आए परंतु पत्र के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। आज भी ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ या तो वार्तालाप की सुविधाएँ नहीं हैं अथवा तकनीकी कमी के कारण वे वहाँ कार्य नहीं करते। कार्यालय एवं संस्थानों में तो पत्र-व्यवहार द्वारा ही कार्य करवाए जा सकते हैं। अतः पत्र का विकल्प कोई भी साधन नहीं हो सकता।

जैसा कि पिछली कक्षाओं में भी पढ़ा है, पत्र दो प्रकार के होते हैं:

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

16.12.24

Pg. 2 B+

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (पुनरावृत्ति अनौपचारिक-पत्र

1. व्यक्तिगत या अनौपचारिक पत्र,
2. कार्यालयी या औपचारिक पत्र।

1. व्यक्तिगत या अनौपचारिक पत्र :- यह पत्र ऐसे व्यक्तियों को लिखा जाता है, जिनसे हमारा व्यक्तिगत संबंध या परिचय होता है।

2. कार्यालयी या औपचारिक पत्र :- औपचारिक पत्र उन्हीं को लिखा जाता है जिनके साथ हमारा व्यक्तिगत संबंध नहीं होता, अगर होता भी है तो इस पत्र को लिखते समय उसका कोई महत्व नहीं होता।

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

म० नं० ------
सेक्टर ------,
चण्डीगढ़।
दिनांक ------

प्रिय सखी / मित्र ------ ← मित्र का नाम
सप्रेम नमस्ते।
-- विषय वस्तु -- -- (कुशल क्षेम) ------
-- -- मुख्य विषय ------

------ (समाप्ति) ------
तुम्हारी सखी / तुम्हारा मित्र ← अपना नाम

16.12.24

Dt
Pg 3 B+

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (पुनरावृत्ति अनौपचारिक पत्र)

16.12.24

सब बच्चे अनौपचारिक पत्र लिखने से पहले इस दिए गए प्रारूप को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

बच्चो! अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी जिसे आप अपनी हिंदी की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य:-

दादी जी की बीमारी के विषय में बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner